



एच.पी. एस.डी.एम.एफ. हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष

<https://hpsdmaplan.nic.in/sdmf>

नव परियोजना

हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एस.डी.एम.ए.) के लिए राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एस.डी.एम.एफ.) पोर्टल आपदा शमन प्रयासों को पारदर्शी, दक्ष एवं सुव्यवस्थित तरीके से प्रबंधित तथा ट्रैक करने का एक सुगम मंच प्रदान करता है। इस पोर्टल के माध्यम से राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का उद्देश्य राज्य में आपदा शमन प्रयासों को आधुनिक एवं सुनियोजित करना है।

इस पोर्टल पर परियोजना प्रस्ताव रिपोर्ट (पी.पी.आर.) और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) की इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुति ने हार्ड कॉपी की आवश्यकता और अतिरिक्त को पूर्णतया समाप्त कर दिया है। यह पोर्टल एक बटन के क्लिक पर त्वरित डेटा प्रदान करके भूस्खलन, बाढ़, हिमस्खलन, आग और भूकंप शमन से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, सभी हितधारक वास्तविक समय में परियोजनाओं की निगरानी कर सकते हैं जिससे संचार और निर्णय लेने की क्षमता में अप्रत्याशित सुधार हुआ है।

परियोजना प्रस्तावों पर समयबद्ध चर्चा और त्वरित निर्णय लेने हेतु यह पोर्टल परियोजना मूल्यांकन समिति (पी.ए.सी.), तकनीकी मूल्यांकन समिति (टी.ए.सी.) और राज्य कार्यकारी समिति (एस.ई.सी.) आदि विभिन्न समितियों के लिए ऑनलाइन बैठकें निर्धारित एवं आयोजित करने की सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली सभी हितधारकों के लिए कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रदान करती है।

बेहतर योजना और संसाधनों के सर्वोत्तम आवंटन के लिए, गूगल मानचित्र एवं जी.आई.एस. टूल्स के एकीकरण से परियोजना स्थलों की जियो टैगिंग, स्थानिक डेटा प्रबंधन को बढ़ाने और आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं को ट्रैक और मॉनिटर करना आसान हो गया है।

आपदा शमन प्रयासों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, अनुसंधान एवं विकास (आर.एंड.डी.) परियोजनाओं को सम्मिलित करने की सुविधा भी इस पोर्टल में प्रदान की गई है।

पोर्टल की प्रमुख विशेषताएँ

प्रस्तावों की डिजिटल प्रस्तुति सभी प्रस्तावों को केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत और संसाधित किया जाता है, जिससे परियोजनाओं के कार्यान्वयन-चक्र में तेजी आती है।

बैठकों का प्रबंधन पोर्टल परियोजना अनुमोदन के संबंध में बैठकों के ऑनलाइन निर्धारण तथा कार्यसूची एवं कार्यवृत्त बनाने की सुविधा भी प्रदान करता है।

पुनरावृत्ति की रोकथाम इस पोर्टल में संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और योजनाओं की अनावश्यक पुनरावृत्ति से बचने के लिए, वर्तमान एवं विचाराधीन परियोजनाओं तथा प्रस्तावों की निगरानी भी की जाती है।

अनुश्रवण पारदर्शिता तथा बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने हेतु, कार्यान्वयन इकाइयों (आई.ए.) को विभिन्न समितियों द्वारा लिए गए निर्णय ऑनलाइन उपलब्ध रहते हैं तथा सभी हितधारकों को ड्रिल-डाउन व अनुकूलित रिपोर्ट भी प्रदान की गई है।

जी.आई.एस./सैटेलाइट-आधारित स्थल चयन पोर्टल में आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं के सर्वोत्तम भौगोलिक स्थल के चयन हेतु उपग्रह इमेजरी को भी एकीकृत किया गया है।

श्री डी. सी. राणा, भा.प्र.से.

निदेशक-एवं-पदेन विशेष सचिव (राजस्व आपदा प्रबंधन), हिमाचल प्रदेश

मैं, हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित उत्कृष्ट सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के लिए अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त करना चाहता हूँ। रोल व कार्य-प्रवाह आधारित यह वेब एप्लीकेशन, आपदाओं के न्यूनीकरण व प्रबंधन हेतु, विभाग से धनराशि की स्वीकृति के लिए, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा पी.पी.आर. (प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट) और डी.पी.आर. (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) बनाने एवं प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है। इस सॉफ्टवेयर ने दक्षता और पारदर्शिता के साथ आपदा न्यूनीकरण संसाधनों को ट्रैक करने, आवंटित करने और निगरानी करने में विभाग की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ किया है।



इस सॉफ्टवेयर में उपयोगकर्ताओं के लिए बनाए गए, अनुकूलित इंटरफेस और मजबूत कार्यक्षमता ने, आपदाओं के न्यूनीकरण के लिए, पारदर्शी रूप से फंड वितरण का प्रबंधन करना विभाग के लिए बहुत ही सुगम बना दिया है। इसके अतिरिक्त, भविष्य के लिए योजना एवं नीति निर्धारण के लिए, वास्तविक समय की सूचनाएं एवं डेटा एनालिटिक्स सुविधाएं अमूल्य साबित हुई हैं।

मुझे विश्वास है कि, आपकी टीम के कड़े परिश्रम और समर्पण से बना यह सॉफ्टवेयर, राज्य में आपदाओं का न्यूनीकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा मैं इस सॉफ्टवेयर को भविष्य में और अधिक बेहतर बनाने के लिए निरंतर सहयोग की आशा करता हूँ।

मैं पुनः आपके इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए बधाई देता हूँ और इस सॉफ्टवेयर द्वारा आपदा न्यूनीकरण प्रयासों में किए जा रहे सकारात्मक प्रभावों का स्वागत करता हूँ।

टेक टिप्स

उपयोगी कीबोर्ड शॉर्टकट - विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम

पृष्ठ को नीचे स्क्रॉल करने के लिए **स्पेसबार** दबाएँ।

पृष्ठ को ऊपर स्क्रॉल करने के लिए **शिफ्ट + स्पेसबार** दबाएँ।

विंडोज कुंजी + डी डेस्कटॉप पर खुले हुए सभी टैब और विंडो को एक साथ छिपाने या दिखाने में मदद करता है।

विंडोज कुंजी + बायीं/दायीं ऐरो कुंजी दो विंडोज को एक साथ चुनने और उन पर काम करने का विकल्प प्रदान करती है।

Alt + Tab एक से अधिक विंडो के बीच स्विच करने का विकल्प प्रदान करता है।

विंडोज कुंजी + L कंप्यूटर को तत्क्षण लॉक करने की सुविधा प्रदान करती है। तुरंत गोपनीयता की स्थिति में यह शॉर्टकट बहुत ही उपयोगी है।



नवीनतम गतिविधियां

18 दिसम्बर, 2024 को श्री कुलदीप सिंह पठानिया, माननीय अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश विधान सभा, श्री सुखविन्द्र सिंह, माननीय मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश तथा श्री जय राम ठाकुर, माननीय नेता प्रतिपक्ष द्वारा हिमाचल प्रदेश विधान सभा के सभी माननीय सदस्यों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (NeVA) का उद्घाटन किया गया। श्री संदीप कुमार, वरिष्ठ निदेशक (आई.टी.) ने वर्तमान ई-विधान से नेवा (NeVA) एप्लिकेशन में स्थानांतरण हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और एप्लिकेशन के सुचारु कार्यान्वयन के लिए विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया।



15 अक्टूबर, 2024 को हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री सुखविन्द्र सिंह द्वारा एच.पी. एस.डी.एम.एफ. (हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष) एम.आई.एस. पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

एन.आई.सी. जिला केंद्रों एवं राज्य के सभी एन.आई.सी. कार्यालयों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के लिए, एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश राज्य केंद्र शिमला में 11 और 12 दिसंबर, 2024 को दो दिवसीय जिला सूचना-विज्ञान अधिकारियों की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता श्री आई.पी.एस. सेठी, राज्य समन्वयक एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा की गई।

श्री अजय सिंह चैहल, उपमहानिदेशक-एवं-राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी हिमाचल प्रदेश द्वारा श्री आई.पी. एस. सेठी एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। श्री चैहल ने एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश की विवरणिका प्रस्तुत की और एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित और प्रबंधित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं एवं मोबाइल ऐप्स के बारे में जानकारी दी।

श्री सेठी ने एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहा और प्रसन्नता व्यक्त की कि एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा विकसित की गई विभिन्न उत्कृष्ट परियोजनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वित किया जा रहा है।



एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश द्वारा CollabFiles, eAal और Gov.in सिक्योर इंटरनेट वेब पोर्टल नामक ई-टूल्स पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों लिए शिमला स्थित राज्य सचिवालय में एन.आई.सी. द्वारा विकसित इन ई-टूल्स के लिए 10 दिसंबर, 2024 को इस कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन, श्री प्रबोध सक्सेना (भा.प्र.से.), मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इन तकनीकी समाधानों का पूर्ण उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। सचिव, आयुष तथा डिजिटल टेक्नोलॉजीज एवं गवर्नेंस, श्रीमती राखील काहलों (भा.प्र.से.) इस कार्यशाला में विशेष रूप से उपस्थित रहीं।



श्री आई.पी.एस. सेठी, राज्य समन्वयक एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश ने अपनी टीम सहित कार्यशाला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई व सभी वक्ताओं ने सरकारी कार्यालय संचालन में सुधार लाने के उद्देश्य से इन प्रमुख डिजिटल टूल्स के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। श्री सेठी ने एन.आई.सी. द्वारा की जा रही विभिन्न आई.सी.टी. पहल के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को भी साझा किया और इन अनुप्रयोगों के कार्यान्वयन में एन.आई.सी. की ओर से सम्पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. पी. गायत्री, वरिष्ठ निदेशक (आई.टी.) एवं प्रभाग प्रमुख (CollabFiles) तथा डॉ. ओ. पी. गुप्ता, निदेशक (आई.टी.) ने इन टूल्स पर विस्तृत डेमो दिया और प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर दिया।

गंतव्य

युल्ला कंडा - विश्व में सबसे ऊंचाई पर स्थित श्री कृष्ण मंदिर

युल्ला कंडा एक आध्यात्मिक ट्रैक है जो हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले की रोरा घाटी में स्थित है। यह ट्रैक लगभग 12 किलोमीटर लम्बा है जिसका समापन 3,895 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एक खूबसूरत झील पर होता है। यह तीर्थयात्रियों और ट्रैकर्स दोनों के लिए एक बहुत ही लोकप्रिय गंतव्य है।

पौराणिक कथा के अनुसार, युल्ला कंडा में पवित्र झील का निर्माण पांडवों द्वारा हिमालय क्षेत्र में अपने निर्वासन के दौरान किया गया था। झील का निर्माण पूरा होने के बाद इस स्थल पर, भगवान कृष्ण को समर्पित मंदिर का निर्माण किया गया।



इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसका स्थान है। यह मंदिर समुद्र तल से लगभग 12,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित झील के ठीक बीचों-बीच स्थित है जिसे भगवान कृष्ण को समर्पित दुनिया का सबसे ऊंचा मंदिर माना जाता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सभी धर्मों के लोग यहां आकर प्रार्थना करते हैं।

युल्ला कंडा एक ऐसा स्थान है जो तीर्थयात्रियों और ट्रेकर्स दोनों को समान रूप से आकर्षित करता है। यद्यपि वर्षभर यह क्षेत्र अधिकतर समय सुनसान रहता है, लेकिन पर्यटक, स्थानीय लोग, किन्नौर और हिमाचल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से बहुत सारे लोग हर साल भगवान कृष्ण की जयंती मनाने के लिए इस पवित्र झील पर आते हैं और अपने पापों का प्रायश्चित्त करने के लिए झील की परिक्रमा करते हैं।

युल्ला कंडा की यात्रा एक छोटे से गांव युल्ला से शुरू होती है। कुल ट्रेक लगभग 12 किलोमीटर लम्बा है और इस ट्रेक को करने का सबसे उत्तम समय मई और अक्टूबर के बीच है।

कैसे पहुंचें

युल्ला गांव से निकटतम हवाई अड्डा लगभग 233 किलोमीटर दूर स्थित शिमला हवाई अड्डा (जुब्बड़हट्टी में) है जबकि निकटतम ब्रॉड-गेज रेलवे स्टेशन लगभग 278 किलोमीटर दूर स्थित कालका और निकटतम नैरो-गेज रेलवे स्टेशन लगभग 215 किलोमीटर दूर स्थित शिमला है। इन सभी स्थानों से आप टैक्सी या बस द्वारा टापरी व चोलिंग होते हुए युल्ला गांव पहुंच कर ट्रेक आरंभ कर सकते हैं।

ट्रेक भांडेर

एस.डी.एन. - सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्किंग

एस.डी.एन. क्या है?

सॉफ्टवेयर डिफाइंड/परिभाषित नेटवर्किंग (एस.डी.एन.) नेटवर्किंग आर्किटेक्चर के लिए सॉफ्टवेयर-नियंत्रित पद्धति है जो एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (ए.पी.आई.) द्वारा संचालित होती है। एस.डी.एन., आई.टी. अवसंरचना के साथ संचार करने और नेटवर्क ट्रैफिक को निर्देशित करने के लिए एक केंद्रीकृत मंच प्रदान करता है।

एस.डी.एन. आर्किटेक्चर

एक पारम्पारिक नेटवर्क में प्रत्येक लैन स्विच में डाटा प्लेन व कण्ट्रोल प्लेन समाहित होते हैं। स्विच में उपस्थित कण्ट्रोल प्लेन नेटवर्क टोपोलॉजी निर्धारण व उससे सम्बंधित फॉरवार्डिंग सारणी को तैयार करता है जिसके फलस्वरूप यह निर्धारित किया जाता है कि पैकेट किस दिशा में डाटा प्लेन के माध्यम से अग्रेषित किया जायेगा। एस.डी.एन. प्रक्रिया के माध्यम से स्विच के कण्ट्रोल प्लेन को निकाल कर इसको एक केंद्रीकृत इकाई यानि एस.डी.एन. कंट्रोलर को सौंप दिया जाता है। परिणामस्वरूप नेटवर्क प्रबंधक लैन स्विच में हस्तक्षेप किये बिना नेटवर्क यातायात को व्यवस्थित कर सकता है, जबकि डाटा प्लेन स्विच में ही समाहित रहता है। जब पैकेट स्विच में प्रवेश करता है, उस स्थिति में उसकी अग्रेषित की जाने वाली जानकारी फॉरवार्डिंग सारणी के माध्यम से नेटवर्क प्रबंधक के द्वारा आवंटित होती है।

फॉरवार्डिंग सारणी में मिलान फ्रील्ड (जैसे इनपुट पोर्ट नंबर और पैकेट हेडर) और निर्देश समाहित होते हैं। सबसे पहले पैकेट का फॉरवार्डिंग सारणी की प्रविष्टियों के साथ मिलान किया जाता है और उसके बाद संबंधित प्रवाह प्रविष्टि के निर्देशों को निष्पादित किया जाता है। निर्देशों में पैकेट को एकाधिक पोर्ट पर फॉरवार्डिंग, पैकेट ड्राप और पैकेट में हेडर जोड़ने जैसे कार्य समाहित होते हैं। यदि पैकेट फॉरवार्डिंग सारणी में कोई मेल खाती प्रविष्टि नहीं मिल पाती है तब स्विच कंट्रोलर नई

जानकारी प्रदान करवाता है और उस स्थिति में स्विच प्रवाह के आधार पर पैकेट को अग्रेषित व ड्राप कर सकता है।

एस.डी.एन. आर्किटेक्चर में निम्न वर्णित तीन लेयर समाहित होती हैं:

एप्लीकेशन लेयर इसमें इन्ट्रजन डिटेक्शन, फ़ायरवॉल और लोड संतुलन जैसे विशिष्ट नेटवर्क आदि घटक शामिल होते हैं।

कण्ट्रोल लेयर इसमें एस.डी.एन. कंट्रोलर/नियंत्रक होता है जो नेटवर्क के मस्तिष्क के रूप में कार्य करता है और इसके ऊपर लिखे गए अनुप्रयोगों के लिए हाईवेयर ऐब्स्ट्रैक्शन की अनुमति प्रदान करता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर लेयर इसमें फिजिकल स्विच होते हैं जो डेटा प्लेन बनाते हैं और डेटा पैकेट की आवाजाही को पूरा करते हैं।

सभी लेयर्स आपस में इंटरफेस के माध्यम से संप्रेषण करती हैं जिन्हे नार्थ-बाउंड ए.पी.आई. (एप्लीकेशन व कंट्रोल लेयर के मध्य इंटरफेस) और साउथ-बाउंड ए.पी.आई. (कंट्रोल व इंफ्रास्ट्रक्चर के मध्य इंटरफेस) कहते हैं।



एस.डी.एन आर्किटेक्चर

पुरस्कार एवं सम्मान

एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश को हिमाचल प्रदेश स्कूल सुरक्षा मोबाइल ऐप के लिए प्रतिष्ठित एम-गवर्नेंस इनिशिएटिव ऑफ द ईयर अवार्ड 2024 (15वां राष्ट्रीय डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार 2024) से सम्मानित किया गया। 13 दिसम्बर, 2024 को विवान्ता ताज गुवाहाटी में, गोवकनेक्ट (GovConnect) द्वारा आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, हिमाचल प्रदेश की ओर से श्री संदीप सूद (वरिष्ठ निदेशक आई.टी.) तथा श्री संजय कुमार (निदेशक आई.टी.) ने पुरस्कार ग्रहण किया।



फ़ैमिली कनेक्ट

श्रुतिश्रवा सुपुत्री श्रीमती सुमन शर्मा एवं श्री अखिलेश भारती, 2 दिसम्बर, 2024 को शिवम के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंध गईं।

आयुष सुपुत्र श्रीमती लक्ष्मी शर्मा एवं श्री अश्वनी कुमार, 3 नवम्बर, 2024 को अंकिता के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंध गए।



एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश नवविवाहित जोड़ों के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करता है।

श्री दलजीत सिंह राणा (निदेशक आई.टी.) एन.आई.सी. मुख्यालय नई दिल्ली के लिए स्थानांतरण के उपरांत, लगभग 25¼ वर्षों की बहुमूल्य सेवाएं प्रदान करने के बाद 28 दिसम्बर, 2024 को एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश से कार्यमुक्त हुए।

एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश दलजीत सिंह राणा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

“एन.आई.सी. हिमाचल प्रदेश आप सभी को नव वर्ष - 2025 के लिए अच्छे स्वास्थ्य एवं सुखमय भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करता है”

परामर्श : श्री अजय सिंह चौहल

संवाद पत्र टीम

मुख्य संपादक : श्री विनोद कुमार गर्ग
संपादक : श्री भूपिंदर पाठक, श्री अखिलेश भारती,
श्री बृजेन्द्र कुमार डोगरा
डिजाइन एवं रचनात्मक कलाएं : श्री सर्वजीत कुमार

योजना बनाने में आपके द्वारा लगाए गए प्रत्येक मिनट से कार्यान्वयन में आपके 10 मिनट बचते हैं।

ब्राइन ट्रेसी

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र

हिमाचल प्रदेश राज्य केन्द्र, छठी मंजिल, आम्सडिल बिल्डिंग
हिमाचल प्रदेश सचिवालय, शिमला, हिमाचल प्रदेश - 171002
sio-hp@nic.in +91-177-2624045
<https://nichimachal.nic.in>

योगदानकर्ता
श्री मंगल सिंह
श्री बलवान सिंह
श्री स्वतांश शतक

अस्वीकरण: लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, और लेखों में निहित तथ्यों एवं सूचना की सटीकता की जिम्मेदारी लेखकों की है।